Under CSR Support by ipca | Foundation missiongyan

अध्याय - 5 | रहीम के दोहे

QUIZ PART-01

1. अब्दुर्रहीम जी का जन्म किस शताब्दी में हुआ था?

A. 15वीं शताब्दी
B. 16वीं शताब्दी
C. 17वीं शताब्दी
D. 18वीं शताब्दी (B)

व्याख्या : कवि परिचय में उनका जन्म 16वीं शताब्दी में बताया गया है।

2. रहीम ने किन भाषाओं का प्रयोग किया?

A. हिंदी और उर्दू
B. संस्कृत और प्राकृत
C. अवधी एवं ब्रज भाषा
D. तमिल और तेलुगु (C)

व्याख्या : उनके दोहों में अवधी और ब्रज भाषा का प्रयोग किया गया है।

3. "जहाँ काम आवे सुई, कहा करे तलवार" का क्या भाव है?

A. तलवार अधिक उपयोगी है
B. सुई बेकार है
C. छोटी वस्तु भी महत्वपूर्ण होती है
D. बड़ी वस्तु ही श्रेष्ठ है (C)

व्याख्या : रहीम बताते हैं कि हर वस्तु का अपना महत्व होता है, छोटी चीज भी उपयोगी होती है।

4. पेड़ अपने फल किसके लिए उगाते हैं?

A. अपने लिए
B. पशुओं के लिए
C. दूसरों के लिए
D. केवल मनुष्यों के लिए (C)

व्याख्या : दोहे में बताया गया है कि पेड़ अपने फल स्वयं नहीं खाते, बल्कि दूसरों के लिए होते हैं।

5. सज्जन व्यक्ति अपनी संपत्ति का उपयोग किसके लिए करते हैं?

A. केवल अपने लिए
B. दूसरों की भलाई के लिए
C. संग्रह करने के लिए
D. दिखावे के लिए (B)

व्याख्या : ज्ञानी और सज्जन व्यक्ति अपनी संपत्ति समाज की भलाई के लिए उपयोग करते हैं।

6. "रहिमन धागा प्रेम का" में प्रेम के धागे को कैसा बताया गया है?

A. मजबूत
B. कठोर
C. नाज़ुक
D. लंबा (C)

व्याख्या : प्रेम का धागा बहुत नाज़ुक होता है, इसलिए उसे तोड़ना नहीं चाहिए।

7. प्रेम का धागा टूटने पर क्या होता है?

A. वह पहले जैसा हो जाता है
B. वह और मजबूत हो जाता है
C. वह फिर नहीं जुड़ता या गाँठ पड़ जाती है
D. वह गायब हो जाता है (C)

व्याख्या : यदि धागा टूट जाए तो जुड़ने पर भी उसमें गाँठ पड़ जाती है और पहले जैसी सहजता नहीं रहती।

8. रहीम के दोहे किस विषय पर प्रसिद्ध हैं?

A. युद्ध
B. राजनीति
C. आम जन-जीवन
D. विज्ञान (C)

व्याख्या : उनके दोहे आम जन-जीवन में अत्यंत प्रसिद्ध हैं।

9. रहीम ने छोटे लोगों या वस्तुओं के बारे में क्या संदेश दिया है?

A. उन्हें त्याग देना चाहिए
B. उन्हें अनदेखा करना चाहिए
C. उन्हें महत्व नहीं देना चाहिए
D. उन्हें कभी छोटा नहीं समझना चाहिए (D)

व्याख्या : रहीम कहते हैं कि किसी को भी छोटा नहीं समझना चाहिए।

10. रहीम के अनुसार मनुष्य को कैसा नहीं होना चाहिए?

A. परोपकारी
B. स्वार्थी
C. सज्जन
D. ज्ञानी (B)

व्याख्या : दोहे में बताया गया है कि मनुष्य को स्वार्थी नहीं होना चाहिए और अपने संसाधनों का उपयोग समाज के लिए करना चाहिए।